University in News on 28 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू

लविवि में नेट, पीएचडी धारकों के साथ ही विषय के जानकार भी लेंगे क्लास

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नेट और पीएचडी की योग्यता रखने वालों के साथ ही अब विषय विशेषज्ञ भी छात्रों की कक्षाएं ले पाएंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के तहत प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद के लिए नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को इस बारे में पत्र भेजा है।

लविवि ने वर्ष 2020 में सबसे पहले एनईपी लागू की थी। इसमें विद्यार्थियों को किताबी के ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान देने पर जोर है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसके जरिए असाधारण उपलब्धियों और अनुभव वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति दी जाएगी। ये नियुक्तियां विभाग में कुल स्वीकृत पदों के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगी।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद पर नियुक्त होने वाले शिक्षकों की अवधि एक से तीन वर्षों के लिए होगी। असाधारण परिस्थितियों में यह चार वर्षों से ज्यादा नहीं होगी।प्रवक्ता के मुताबिक यह प्रोफेसर किसी उद्योगपति, विश्वविद्यालय या व्यावसायिक घराने से वित्तपोषित होंगे। इन्हें पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या को विकसित व डिजाइन करना, नए पाठ्यक्रम पेश करना और विश्वविद्यालय नीति के अनुसार व्याख्यान देने समेत कई अन्य कार्य करने होंगे।

नियुक्ति के लिए बनी कमेटी

- प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद पर नियुक्ति के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। कुलपति प्रो. आलोक राय इसके अध्यक्ष होंगे। समिति में संबंधित विभाग के डीन या हेड के साथ एक बाहरी विशेषज्ञ और रजिस्ट्रार को पदेन सचिव के तौर पर शामिल किया गया है।

लविवि में बीफार्मा की सभी सीटें फुल

लखनऊ। लखनऊ विवि में बीफार्मा कोर्स की सभी सीटें पहले चरण की काउंसिलिंग पहले चरण में भर गई हैं। विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में सीयूईटी 2024 के माध्यम से प्रवेश के आवेदन लिए गए हैं। इसके लिए शुक्रवार को काउंसिलिंग आयोजित की गई थी। इसमें सभी 110 सीटों पर विद्यार्थियों ने दाखिला ले लिया। (संवाद)

लविवि के वास्तुशिल्प की दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के पर्यटन अध्ययन संस्थान ने यूएनडब्ल्यूटीओ की थीम 'पर्यटन और शांति' के तहत विश्व पर्यटन दिवस मनाया। इस मौके पर विवि के मुख्य परिसर में 'हेरिटेज वॉक फॉर पीस : एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी' का आयोजन किया गया। साथ ही नवीन परिसर में भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इतिहासकार डॉ. रवि भट्ट ने लविवि के वास्तुशिल्प पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पर्यटन अध्ययन संस्थान की प्रभारी डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, प्रो. ओ.पी. शुक्ला, प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री, एसएमएच रिजवी, डॉ. सुधीर मिश्रा, डॉ. अमर कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

विश्वस्तरीय अवधारणा के साथ करें शोध

लखनऊ। लविवि के उर्दू विभाग में चल रही सात दिवसीय शोध कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि एक शोधार्थी को चाहिए कि उसका शोध वैज्ञानिक और विश्वस्तरीय हो। इसके लिए उसे उसी अवधारणा के साथ शोध कार्य को अंजाम देना होगा। प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि शोध जितना वैज्ञानिक, सामाजिक हितधारक और लक्ष्य साध्य होगा उतना ही स्वीकार्य होगा। इस मौके पर समन्वयक डॉ. फाजिल असहन हाशमी, प्रो. पंकज माथुर, प्रो. मधु रीमा व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि के विभिन्न विभागों में सेवा पखवाड़ा आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया । जिसमें वाणिज्य विभाग, हिंदी विभाग, योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग, भूगोल विभाग में छात्रों, शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक मनाया । इसके अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, काव्य गोष्ठी, पोस्टर, स्लोगन समेत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । आत्मनिर्भर भारत विषय पर भी कार्यक्रम किए गए । जिसमें विकास में आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला गया ।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू: प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

एनईपी

10 फीसदी अधिकतम पद होंगे कुल पदों में

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 के तहत प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद के लिए नियुक्ति प्रक्रिया की शुरूआत हो गई है। इसके लिए कुलसचिव ने सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने विभागों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद की जरूरत के मुताबिक स्पष्ट संस्तुति भेजने को कहा है। बता दें कि इससे पहले विद्या परिषद की बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि असाधारण उपलब्धियों और अनुभी पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में बुलाया जाएगा। इनकी नियुक्तियों की संख्या कुल स्वीकृत पदों के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगी। एक से तीन वर्षों के लिए तैनाती मिलेगी। असाधारण परिस्थिति में यह चार वर्षों से ज्यादा नहीं होगी। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस पद की नियुक्ति को बनी समिति के अध्यक्ष एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय हैं।

एलयू: योग भारत की अनमोल धरोहर

लखनऊ। एलयू के योग संकाय की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि योग भारतीय परम्परा के अनमोल धरोहर के साथ शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें बीएससी तृतीय सेमेस्टर की नम्रता मिश्रा प्रथम, सपना कुशवाहा द्वितीय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

एलयू की भाषण प्रतियोगिता में शुभम धुरिया जीते

लखनऊ। एलयू के वाणिज्य विभाग में सेवा पखवाड़ा के तहत भाषण प्रतियोगिता हुई। आत्मनिर्भर भारत विषय पर बीकॉम, एमकॉम के 80 छात्रों व शोधार्थियों ने भाग लिया। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता शुभम धुरिया रहे। अभिषेक श्रीवास्तव और दिव्या पांडेय ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।

JAGRAN CITY PAGE II

बीफार्मा काउंसलिंग में पहले दिन सीटें भरीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2024-25 प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीफार्मा पाठ्यक्रम की काउंसलिंग का आयोजन शुक्रवार को किया गया था। काउंसलिंग के पहले ही दिन सभी सीटें फुल हो गई हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में बैचलर ऑफ फार्मेसी के प्रवेश के लिए सीयूईटी 2024 की मेरिट के आधार पर आवेदन प्राप्त किए गए थे। काउंसलिंग के दौरान सभी 110 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण हो गई। अभ्यर्थियों को मेरिट सूची के आधार पर सीट अलॉट कर दी गई। चयनितों ने ऑनलाइन फीस भी जमा कर दी है।

प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

जासं • लखनऊ : नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस पद के लिए नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी संकायाध्यक्षों व विभागाध्यक्षों को पत्र जारी किया है। विभागों को प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस की नियुक्ति के लिए स्पष्ट कारणों सहित संस्तुति भेजने के लिए कहा गया है। विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर नियुक्ति संबंधी गाइडलाइन भी जारी की है।

विद्या परिषद की बैठक में प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हुई है। इन पदों की नियुक्ति के लिए बनी समिति के अध्यक्ष कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, डीन या हेड, एक बाहरी विशेषज्ञ और कुलसचिव को सचिव के तौर पर शामिल किया गया है। प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस में असाधारण उपलब्धियों वाले पेशेवरों को विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। ये प्रोफेसर किसी उद्योग, विश्वविद्यालय या सम्माननीय से वित्तपोषित होंगे। इन्हें पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या को विकसित व डिजाइन करना, नए पाठ्यक्रम पेश करना और विश्वविद्यालय नीति के अनुसार व्याख्यान देने समेत कई अन्य कार्य करने होंगे। इनकी नियुक्तियों की संख्या कुल स्वीकृत पदों के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगी। उनका कार्यकाल एक से तीन वर्षों के लिए होगा।

लवि में हुई हेरिटेज वाक और प्रतियोगिताएं

हेरीटेज वाक में इतिहासकार डा. रवि भट्ट, विद्यार्थी व शिक्षक शामिल हुए • लवि

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान (आइटीएस) ने शुक्रवार को पर्यटन और शांति थीम के तहत विश्वविद्यालय समुदाय को एक साथ लाते हुए विश्व पर्यटन दिवस मनाया। मुख्य परिसर में 'हेरिटेज वाक फार पीस : एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी' निकाली गई। वहीं, जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में भाषण प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

शुक्रवार को मुख्य परिसर में हेरिटेज वाक का नेतृत्व मुख्य अतिथि इतिहासकार डा. रवि भट्ट ने किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की विरासत के गहरे सांस्कृतिक महत्व और नवाबों की महिमा पर भी जोर दिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस हमारे जीवन में सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य भूमिका की याद दिलाता है। उन्होंने 2024 की थीम पर्यटन और शांति के साथ इस आयोजन के संरेखण के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

प्रतियोगिता में ये रहे विजेता : द्वितीय परिसर में आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। इसमें बी.बी.ए (पर्यटन एवं आतिथ्य) प्रथम सेमेस्टर का छात्र नमामि गिरी ने पहला, भविष्य पांडे दूसरा व सचिन तिवारी ने तीसरा स्थान हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता में बी.बी.ए टूरिज्म की अंशिका यादव और पारुल राज की टीम विजयी रही। कार्यक्रम में पर्यटन अध्ययन संस्थान की प्रभारी डा. अनुपमा श्रीवास्तव, डा. ओपी शुक्ला, डा. महेंद्र अग्निहोत्री सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

PIONEER PAGE 3

एलयू में फार्मेसी की सीट पहली काउंसलिंग में भरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में बीफार्म की सभी सीटें पहली ही काउंसलिंग में भर चुकी हैं।, फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 से संचालित है। यह संस्था फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया से मान्यता प्राप्त है, संस्थान नव निर्मित भवन में संचालित है जिसका उद्घाटन 2 सितम्बर 2024 को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के द्वारा कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस भवन में 13 उपकरणों सहित सुसज्जित लैब एवं 2 बड़े लेक्चर थियेटर एवं 8 बड़े लेक्चर रूम सभी सुविधाओं सहित उपलब्ध है। संस्थान में वर्तमान में विभिन्न प्रदेशो के लगभग 500 से अधिक छात्र छात्रायें सुयोग्य शिक्षकों के द्वारा शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

पर्यटन पर छात्रों ने रखे विचार

लखनऊ। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में पर्यटन एवं शांति विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने विचार रखें। गोष्ठी में प्रथम स्थान प्राप्त एमए सेमेस्टर प्रथम के रजत कुमार ने भीमसेन जोशी के मिले सुर मेरा तुम्हारा पंक्तियों को उद्धरित करते हुए कहा कि पर्यटन से विभिन्न संस्कृतियों को समझने का अवसर प्राप्त होता है जो कि व्यक्तिगत आनंद के साथ-साथ वैश्विक शांति का मार्ग प्रशस्त करता है, गोष्ठी में एमए सेमेस्टर प्रथम की खुशी वर्मा ने द्वितीय और एमए सेमेस्टर तृतीय की सुष्मिता चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का मेडल और सर्टिफिकेट देकर उत्साहवर्धन किया।

नेगोसिएशन प्रतियोगिता का पोस्टर लांच

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी ने शुक्रवार को फर्स्ट इंटर कॉलेजिएट नेगोशियन प्रतियोगिता के पोस्टर का अनावरण किया। पोस्टर को डीन प्रोफेसर डॉ बंशीधर सिंह, टीचर कोर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ हरिश्चंद्रराम, एसिस्टेंस टीचर कोर्डिनेटर डॉ कौशलेंद्र सिंह, फैकल्टी के अन्य सदस्य एवं एडीएलएस की प्रेसिडेंट आरजू नायाब और सोसाइटी के सभी सदस्यों की उपस्थिति में जारी किया गया। यह प्रतियोगिता 26 और 26 अक्टूबर को होगी, जिसकी पंजीकरण की आखिरी तिथि 21 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। प्रतियोगिता में विधि संकाय और सभी संबद्ध लॉ कॉलेज के विद्यार्थी भाग लेंगे।

भाषण प्रतियोगिता में स्वर्णिम सिंह आये अव्वल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता शुक्रवार को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में स्नातक, परस्नातक एवं शोध छात्रों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में 16 छात्रों ने भाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार ने की तथा प्रो.योगेंद्रप्रत सिंह, प्रो. अलका पांडे, प्रो. हेमांशु सेन एवं प्रो.पवन अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित किया। विजयी छात्रों को पुरुस्कार दिया गया। प्रथम पुरुस्कार स्वर्णिम सिंह (एमए प्रथम सेमेस्टर), द्वितीय पुरुस्कार अभिषेक मिश्र (पीएचडी) और तृतीय पुरूस्कार अभिषेक वचन यादव को दिया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षकों के साथ डॉ. अजीत सिंह, डॉ.सत्य प्रकाश ने निर्णायक की भूमिका में रहे।

पहली बार में ही भरी लविवि की फार्मेसी की सीटें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज वर्ष 2021 से संचालित है। इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में सत्र 2024-25 के बैचलर ऑफ फार्मेसी के प्रवेश के लिए सीयूईटी-2024 की मेरिट के आधार पर आवेदन प्राप्त किए गए थे। काउंसलिंग में शुक्रवार को बीफार्म की सभी शत प्रतिशत सीटों पर विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया। इसमें कुल 110 सीटें हैं। बता दें कि यह संस्था फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त है, संस्थान नव निर्मित भवन में संचालित है, जिसका उद्घाटन 02 सितम्बर 2024 को राज्यपाल एवं लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में किया था। इस भवन में 13 उपकरणों सहित सुसज्जित लैब एवं 02 बड़े लेक्चर थियेटर एवं 08 बड़े लेक्चर रूम सभी सुविधाओं सहित उपलब्ध है। संस्थान में वर्तमान में विभिन्न प्रदेशों के लगभग 500 से अधिक छात्र-छात्रायें सुयोग्य शिक्षकों के द्वारा शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय में हैरिटेज वॉक में शामिल लोग। — अमृत विचार

लविवि में हेरिटेज वॉक का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान यूएनडब्ल्यूटीओ की इस वर्ष की थीम पर्यटन और शांति के तहत विश्व पर्यटन दिवस मनाया। मुख्य परिसर में हेरिटेज वॉक फॉर पीसः एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी, साथ ही दूसरे परिसर में एक भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। हेरिटेज वॉक का नेतृत्व इतिहासकार डॉ. रवि भट्ट ने किया।

डॉ. भट्ट ने संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के वास्तुशिल्प के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बीबीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र नमामि गिरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बीबीए प्रथम सेमेस्टर के भविष्य पांडे और तीसरे स्थान पर सचिन तिवारी रहे।

क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंशिका यादव और पारुल राज (बीबीए टूरिज्म, पांचवें सेमेस्टर) की टीम विजयी रही, जबकि तनु सिंह और युवराज सिंह (बीबीए टूरिज्म, तीसरे सेमेस्टर) ने दूसरा स्थान हासिल किया। पर्यटन अध्ययन संस्थान की प्रभारी डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने कुलपति और डॉ. भट्ट का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो ओपी शुक्ला, प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री, एसएमएच रिज़वी, डॉ. सुधीर मिश्रा, डॉ. अमर कुमार तिवारी, डॉ. सुयश यादव, मांडवी श्रीवास्तव, डॉ. नीतिका मेहता और विद्यार्थियों सहित विश्वविद्यालय समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विरासत,संस्कृति और ज्ञान का जश्न मनाना गर्व की बात:कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान (आईटीएस) ने यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई इस वर्ष की थीम पर्यटन

लविवि ने मनाया विश्व पर्यटन दिवस

और शांति के तहत विश्वविद्यालय समुदाय को एक साथ लाते हुए आकर्षक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ विश्व पर्यटन दिवस मनाया। उत्सव में मुख्य परिसर में 'हेरिटेज वॉक फॉर पीसः एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी', साथ ही दूसरे परिसर में एक भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में दिन की शुरुआत विवि के मुख्य परिसर में हेरिटेज वॉक के साथ हुई। इस पदयात्रा का नेतृत्व मुख्य अतिथि प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ.रवि भट्ट ने किया। डॉ.भट्ट ने संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के वास्तुशिल्प चमत्कारों के माध्यम से निर्देशित किया, जिसमें इसकी कुछ सबसे प्रतिष्ठित संरचनाएं भी शामिल थीं। उनकी विस्तृत और आकर्षक टिप्पणी ने इमारतों के समृद्ध इतिहास और महिमा पर प्रकाश डाला। विवि की विरासत के गहरे सांस्कृतिक महत्व और नवाबों की महिमा पर जोर दिया। वॉक ने प्रतिभागियों को अपने परिवेश की विरासत की सराहना करने के लिए प्रेरित किया और संरक्षण और समझ के माध्यम से शांति के विषय को मजबूत किया। हेरिटेज वॉक के अलावा, समारोह विवि के दूसरे परिसर तक फैला, जहां आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई। जिसमें बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर का छात्र नमामि गिरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर के भविष्य पांडे और तीसरे स्थान पर सचिन तिवारी रहे। क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंशिका यादव और पारुल राज (बीबीए टूरिज्म, पांचवें सेमेस्टर) की टीम विजयी रही, जबकि तनु सिंह और युवराज सिंह (बीबीए टूरिज्म, तीसरे सेमेस्टर) ने दूसरा स्थान हासिल किया। प्रो.आलोक कुमार राय ने इन आयोजनों के माध्यम से विरासत, संस्कृति और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए विवि की प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया। प्रो.राय ने कहा, विश्व पर्यटन दिवस हमारे जीवन में सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य भूमिका की याद दिलाता है और जिस उत्साह के साथ हमारे छात्रों और शिक्षकों ने इस दिन को अपनाया है,उसे देखकर मुझे खुशी हो रही है।

TOI PAGE 2

LU receives research grant of ₹2cr

Lucknow: Lucknow University was sanctioned research grants of over Rs 2 crore under two govt schemes last week.

The research proposals for establishing centres of excellence by around 20 LU teachers at their respective departments were accepted by the state govt and a grant of Rs 1.52 crore was sanctioned for the same.

In another 'research and development' scheme of the state govt, a grant of around Rs 50 lakh has been sanctioned for 17 proposals submitted by LU teachers. "Our rankings have proved beneficial in getting grants," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. Under the centre of excellence scheme every science department has received grant. In zoology, unique research projects like eco-friendly agriculture by augmentation of ladybird beetles by Prof Geetanjali Mishra and the use of nano fertilisers to improve the nutritional status of millets by botany professor Girish Chandra Pathak have been approved.

In humanities, a research project on folk literature in Awadh by English department's Prof RP Singh and 'Child rights, education' by Prof Anoop Kumar Bhartiya of social work are areas where the university is working for the first time.

Atmanirbhar Bharat has youth's backing

Participants at the heritage walk at LU on Friday

Times News Network

Lucknow: Several departments of the Lucknow University organised elocution contest for students on the topic of 'Atmanirbhar Bharat' under the Seva Pakhwada initiative on Friday.

About 40 students presented their perspective on self-reliance and development during the event organised by the commerce department. Shubham Dhuria won the first prize, while Abhishek Srivastava and Divya Pandey shared the second place. The third prize was jointly secured by Anwar Sayeed, Muskan Dixit and Juhi.

In the physics department, students shared ideas on national growth and the country's initiative to become a global semiconductor manufacturing hub.

BSc second year student Namrata Mishra secured the first place in the competition held at the faculty of yoga and alternative medicine. Speakers emphasized on the role of yoga in fostering personal and national self-reliance.

At the same contest organised on the LU's second campus by the NSS, students expressed their views on the importance of self-reliance. Shazia Zaheer secured the first place followed by Kuldeep Yadav and Ishan Rastogi.

Heritage walk, quiz on tourism day at LU

Lucknow: The Institute of Tourism Studies (ITS), Lucknow University, celebrated World Tourism Day 2024 on Friday with a series of events under the theme of 'Tourism and Peace'.

Students took part in a Heritage Walk titled 'An Ode to Our University', led by historian Ravi Bhatt, at University's main campus. "We appreciated not only architectural beauty of campus but also its cultural legacy," said Bhatt. TNN

LOKSATYA PAGE 2

एलयू: छात्रों ने पर्यटन और शांति का संदेश दिया

आयोजन

- सांस्कृतिक और एतिहासिक जगहों के बारे में बताया

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के पर्यटन अध्ययन संस्थान (आईटीएस) ने 27 सितंबर, 2024 को यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई इस वर्ष की थीम पर्यटन और शांति के तहत विश्वविद्यालय समुदाय को एक साथ लाते हुए, आकर्षक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ विश्व पर्यटन दिवस मनाया। उत्सव में मुख्य परिसर में 'हेरिटेज वॉक फॉर पीसः एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी', साथ ही दूसरे परिसर में एक भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के सम्मानित संरक्षण में, दिन की शुरुआत विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में हेरिटेज वॉक के साथ हुई। इस पदयात्रा का नेतृत्व प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. रवि भट्ट ने किया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डॉ. भट्ट ने संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के वास्तुशिल्प चमत्कारों के माध्यम से निर्देशित किया, जिसमें इसकी कुछ सबसे प्रतिष्ठित संरचनाएं भी शामिल थीं। उनकी विस्तृत और आकर्षक टिप्पणी ने इमारतों के समृद्ध इतिहास और महिमा पर प्रकाश डाला, विश्वविद्यालय की विरासत के गहरे सांस्कृतिक महत्व और नवाबों की महिमा पर जोर दिया। वॉक ने प्रतिभागियों को अपने परिवेश की विरासत की सराहना करने के लिए प्रेरित किया और संरक्षण और समझ के माध्यम से शांति के विषय को मजबूत किया। हेरिटेज वॉक के अलावा, समारोह विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर तक फैला, जहां आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई, जिसमें बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर का छात्र नमामि गिरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर के भविष्य पांडे और तीसरे स्थान पर सचिन तिवारी रहे।

क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंशिका यादव और पारुल राज (बीबीए टूरिज्म, पांचवें सेमेस्टर) की टीम विजयी रही, जबकि तनु सिंह और युवराज सिंह (बीबीए टूरिज्म, तीसरे सेमेस्टर) ने दूसरा स्थान हासिल किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इन आयोजनों के माध्यम से विरासत, संस्कृति और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया।

लविवि ने हेरिटेज वॉक और प्रतियोगिताओं के साथ मना विश्व पर्यटन दिवस

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के पर्यटन अध्ययन संस्थान (आईटीएस) ने शुक्रवार को यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई इस वर्ष की थीम पर्यटन और शांति के तहत विश्वविद्यालय समुदाय को एक साथ लाते हुए, आकर्षक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ विश्व पर्यटन दिवस मनाया। उत्सव में मुख्य परिसर में हेरिटेज वॉक फॉर पीसः एन ओड टू अवर यूनिवर्सिटी, साथ ही दूसरे परिसर में एक भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

दिन की शुरूआत विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में हेरिटेज वॉक के साथ हुई। इस पदयात्रा का नेतृत्व प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. रवि भट्ट ने किया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डॉ. भट्ट ने संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के वास्तुशिल्प चमत्कारों के माध्यम से निर्देशित किया, जिसमें इसकी कुछ सबसे प्रतिष्ठित संरचनाएं भी शामिल थीं। उनकी विस्तृत और आकर्षक टिप्पणी ने इमारतों के समृद्ध इतिहास और महिमा पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की विरासत के गहरे सांस्कृतिक महत्व और नवाबों की महिमा पर जोर दिया। वॉक ने प्रतिभागियों को अपने परिवेश की विरासत की सराहना करने के लिए प्रेरित किया और संरक्षण और समझ के माध्यम से शांति के विषय को मजबूत किया। हेरिटेज वॉक के अलावा, समारोह विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर तक फैला, जहां आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई, जिसमें बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर का छात्र नमामि गिरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य), प्रथम सेमेस्टर के भविष्य पांडे और तीसरे स्थान पर सचिन तिवारी रहे। क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंशिका यादव और पारुल राज (बीबीए टूरिज्म, पांचवें सेमेस्टर) की टीम विजयी रही, जबकि तनु सिंह और युवराज सिंह (बीबीए टूरिज्म, तीसरे सेमेस्टर) ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. आलोक कुमार राय ने इन आयोजनों के माध्यम से विरासत, संस्कृति और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस हमारे जीवन में सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य भूमिका की याद दिलाता है और जिस उत्साह के साथ हमारे छात्रों और शिक्षकों ने इस दिन को अपनाया है, उसे देखकर मुझे खुशी हो रही है। उन्होंने 2024 की थीम पर्यटन और शांति के साथ इस आयोजन के संरेखण के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

पर्यटन अध्ययन संस्थान की प्रभारी डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने आयोजन में उनके अमूल्य योगदान के लिए माननीय कुलपति और डॉ. भट्ट का आभार व्यक्त किया और विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में इस तरह की पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। विरासत हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।